एक नजर में

राज्यस्तरीय आकार फिल्मोत्सव की तिथियाँ घोषित

इंदौर. प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मध्यप्रदेश के फिल्मकारों की फिल्मों पर एकाग्र आकार फिल्मोत्सव की तिथियों एवं फिल्म भेजने की अंतिम तिथियों की घोषणा हो गई है. यह फिल्मोत्सव 2009 से निरंतर किया जा रहा है. आयोजक, निर्माता-निर्देशक शशिकांत ने जानकारी दी कि यह फिल्मोत्सव 23-24 अगस्त को भोपाल के एन.आई.टी.टी.टी.आर. समागृह में आयोजित किया जाएगा फिल्मोत्सव में फिल्म भेजने की अंतिम तिथि 9 अगस्त 2025 निश्चित की गई है. मध्यप्रदेश के फिल्मकारो की फिल्मों पर एकाग्र इस फिल्मोत्सव में किसी भी विषय पर निर्मित फिल्में भेजी जा सकती है. शार्ट फिल्म 5 से 15 मिनट डाक्यूमेंट्री फिल्म 10 से 20 मिनट एवं फिक्शन फिल्म 20 से 120 मिनट तक किसी भी अवधि की मान्य होगी. अन्य जानकारी के लिए 7415508223 पर संपर्क किया जा सकता है. इस फिल्मोत्सव में फिल्म भेजने के लिए किसी तरह की कोई एंट्री फीस या अन्य शुल्क नहीं है.

मालवा मिल में झांकी निर्माण कार्य का शुभारंभ

इंदौर. मालवा मिल गणेशोत्सव समिति के तत्वावधान में अनन्त चतुर्दशी के पावन पर्व पर झांकी विसर्जन चल समाराह हेतु मालवा मिल में गणेश भगवान एवं माता गौरी का पूजन करके झांकी निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया. इस अवसर पर महापौर परिषद सदस्य पार्षद नन्दकिशोर पहाड़िया, विश्व ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महन्त, इंटक के पूर्व अध्यक्ष पं. गोपाल शर्मा, मालवा मिल प्रबंधक सुमितसिंह, सुरक्षा अधिकारी जे.एस. सिकरवार एवं रमेश उस्ताद के विशेष अतिथ्य में पूजन सम्पन्न हुआ. वंही मालवा मिल गणेशोत्सव समिति के अध्यक्ष कैलाश कुशवाह, प्रधानमंत्री राजेन्द्र मरमट, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, नेताजी सुभाषचंद बोस मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया, युवा नेता राहुल निहोरे, संजयसिंह भदौरिया, किशनलाल कुशवाह, कन्हैयालाल मरमट, मुकेश कुमार वर्मा, संतोष यादव, बसंत तम्बोलिया, राजेश गुर्जर, बंटी जाधव, सुधीर वर्मा प्रेस फोटोग्राफर, श्याम डेकोरेटर्स के समक्ष कार्यक्रम को विधि पूर्वक पं. राजेन्द्र शर्मा ने सम्पन्न करवाई. इसी मौके पर झांकी कलाकार जितेन्द्र कुशवाह एवं मनोज कुशवाह का स्वागत कर बयाना 11,000 रूपये भेंट किये. संचालन गणेशोत्सव समिति के अध्यक्ष कैलाश कुशवाह ने किया. आभार कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा में माना.

जिनवाणी को सुनना, ग्रहण करना परमानंद : श्रुतमुनि

इंदौर. सजग, जागरूक, एकाग्र व्यक्ति ही परमात्मा की वाणी श्रवण कर सकता है. व्यक्ति को 9 तत्व को जानना, और ढाणांनाग सूत्र की 9 बातों को जीवन में उतारना, सन्तों का समागम, जिनवाणी को सुनना और ग्रहण करना यही जीवन का परमानन्द है. यह विचार महावीर भवन इमली बाजार कि धर्मसभा में उपप्रवर्तक श्रृतमुनि महाराज ने व्यक्त किये. आपने कहा कि 12 व्रतो का पालन करना व्यक्ति का परम कर्तव्य है. धर्म प्रभावना कि दलाली करो आपके सहयोग से कोई व्यक्ति धर्म से जुड़ता है, जप, तप त्याग तपस्या में लीन हो जाता है तो उसके साथ आपका भी भव सुधरेगा. यह जीवन मिला है. सभी में और मेरे लिये ही करते हैं परन्तु जो व्यक्ति दूसरों के लिये करता है दूसरों के दुख :, दर्द में सहभागी बनता है उसी का जीवन सफल है. धर्म सभा संचालन प्रकाश भटेवरा ने किया. धर्म सभा में अचल चैधरी, रमेश भंडारी, रखबचंद कोटावाले, विमल तांतेड़, जिनेश्वर जैन, राजकुमार पंजाबी, प्रकाश कोठारी, गजेंद्र बोड़ाना, गजेन्द्र तांतेड़, सुनिता छजलाणी, पुष्पा डागरिया, आजाद नरेलिया, शशि बोथरा, अशोक मंडलिक, पदम तांतेड़, आदि बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकायें उपस्थित थे.

शिव महापुराण कथा के पूर्व निकली कलश यात्रा

इंदौर. नवरत्न बाग स्थित श्री विजय मारुति हनुमान मन्दिर में सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है. प्रवीण जोशी ने बताया कि कथा की शुरुआत भव्य अन्नपूर्णा कलश यात्रा से हुइ.। कलश यात्रा गीता भवन से शुरू होकर मनोरमागंज, कैलाश पार्क, सेवा सरदार नगर होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुची. बग्गी में महामंडलेश्वर योगेश्वरनाथ महाराज, महंत मंगलदास महाराज खाकी सवार थे. माँ वैष्णवी ग्रुप महिला मंडल की प्रमुख श्रीमती भावना विजयवर्गीय ने बताया कि गुरुवार से कथा शुरू हो गई. व्यास पीठ का पूजन मीना राणा शाह ने किया. विशेष अतिथि विधायक महेंद्र हार्डिया थे. योगेश्वरनाथ महाराज आगामी 23 जुलाई तक रोजाना दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक शिव महा पुराण की कथा करेंगे.

गुरतेज सिंह माथारू को ब्रांड बिल्डर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

इंदौर. जूपर होटल्स एंड रिसॉर्ट्स को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि कंपनी के सेंट्रल इंडिया ऑपरेशंस हेड गुरतेज सिंह माथारू को प्रतिष्ठित ब्रांड बिल्डर ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. यह सम्मान वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश लीडरशिप अवॉर्ड्स के दौरान मेरियट होटल, इंदौर में प्रदान किया गया. यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने क्षेत्र में ब्रांड वैल्यू बढ़ाने, ऑपरेशनल उत्कृष्टता स्थापित करने और उद्योग में नए मानक तय करने में उल्लेखनीय योगदान दिया हो. जूपर होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के डायरेक्टर अकाल मंचंदा ने कहा, यह सम्मान न केवल गुरतेज सिंह माथारू की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे जूपर परिवार के लिए गर्व का क्षण है. यह हमारे ब्रांड निर्माण के सतत प्रयासों और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में विश्वास और गुणवत्ता का प्रतीक है.

मृणाल ठाकुर के क्रश, रवि किशन की भावुक बातें

इंदौर. इस शनिवार, 19 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर देखिएद ग्रेट इंडियन कपिल शोमें जबरदस्त फिल्मी धमाका, जबसोन ऑफ सरदार 2की पूरी टीम शो पर हाजिर होगी. अजय देवगन, मृणाल ठाकुर, रवि किशन, दीपक डोबरियाल, कुब्रा सैत, संजय मिश्रा और विंदू दारा सिंहद सभी मिलेंगे कपिल और उनकी टीम से, लेकर आएंगे मस्ती, मसाला और ढेर सारे सरप्राइज़. एक मजेदार पल में, कपिल ने अजय देवगन की हर प्रकार की शैलीकी तारीफ की एक्शन से लेकर कॉमेडी और थ्रिलर तक ङ्क जिस पर अजय देवगन ने अपने खास अंदाज़ में जवाब दिया, मैं असल में सिद्धू पाजी से सीखा हूं. उन्होंने एक रुमाल क्रिकेट में डाला है, एक पॉलिटिक्स मेंज और यहां तो पूरी चादर है. लेकिन एपिसोड में केवल हंसी नहीं, दिल छू जाने वाले पल भी हैं. रवि किशन ने अपनी पत्नी के बारे में एक भावुक किस्सा साझा किया, मैं रोज रात को उसके पैर छूता हूं. मुझे अच्छा लगता है, पर वो पैरछूने नहीं देती, लेकिन जब वो सो जाती है, तब मैं कोशिश करता हूं. जब कपिल ने इसका कारण पूछा, तो रवि किशन बोले वो मेरी दुख की साथी है. जब मेरे पास कुछ नहीं था, उसने मेरा साथ नहीं छोड़ा. मेरा बेटा भी सामने बैठा है, उसे पता है उसने मुझे कैसे संभाला- वो पैर छूने लायक है.

सारे जहां से अच्छा 13 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर

इंदौर. 1970 के दशक की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित नेटफ्लिक्स की आने वाली सीरीज़ 'सारे जहां से अच्छा' देशभक्ति, बलिदान और जासूसी की एक दिलचस्प कहानी लेकर आ रही है. इस काल्पनिक कहानी में प्रतीक गांधी एक सतर्क और अडिग खुफिया अधिकारी विष्णु शंकर की भूमिका निभा रहे हैं. यह सीरीज़ एक मिशन पर आधारित है, जिसमें काफी तनाव और सस्पेंस है. इसमें सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, कृतिका कामरा, तिलोत्तमा शोम, रजत कपूर और अनुप सोनी जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। 13 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर आने वाली यह सीरीज़ गौरव शुक्ला द्वारा बनाई गई है और बॉम्बे फेबल्स ने प्रोड्यूस किया है, जबकि भावेश मंडालिया इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं. प्रतीक गांधी कहते हैं सारे जहां से अच्छा में हमने एक ऐसी दुनिया बनाई है जो बेहद तेज़, तनावपूर्ण और रोमांचक है. खुफिया अधिकारी विष्णु शंकर का किरदार निभाना, जो कर्तव्य और नैतिकता के बीच संतुलन बनाए रखता है, मेरे लिए अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण रोल्स में से एक रहा है.

रालामंडल के आसपास विकसित होगा ग्रीन कॉरिडोर : संभागायुक्त

छह विभाग परिकल्पना को पूर्ण करने जल्द करेंगे फील्ड विजिट
अभ्यारण्य के ईको सेंस्टिव जोन को लेकर बैठक आयोजित

इंदौर. संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में रालामण्डल अभ्यारण्य के अंतर्गत आवासीय भूमि उपयोग हेतु तैयार किये गए नियोजन मापदण्ड के संबंध में ईको सेंस्टिव जोन समिति की बैठक इंदौर विकास प्राधिकरण के सभाकक्ष में आयोजित की गई.

बैठक में संभागायुक्त दीपक सिंह ने रालामण्डल अभ्यारण्य वन क्षेत्र के संरक्षण पर विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि ईको सेंस्टिव जोन के अंतर्गत आवासीय भूमि उपयोग हेतु तैयार किये गए नियोजन मापदण्ड के संबंध में परीक्षण किया जाये कि रालामण्डल में आसपास का क्षेत्र निर्माण का क्या स्वरूप हो.

इसके अलावा महानगर के रूप में उभरे शहर इंदौर के लिए ऑक्सीजन बॉक्स अत्यन्त आवश्यक है, इसलिए रालामण्डल अभ्यारण्य क्षेत्र के आसपास की पहाड़ियों को मिलाते हुए ग्रीन कॉरिडोर का विकास किया जाये. इसके लिए उन्होंने नगर एवं ग्राम निवेश, इंदौर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, वन विभाग, राजस्व और मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को संयुक्त रूप से फील्ड विजिट कर रूपरेखा तय करने के निर्देश दिये है.

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि रालामण्डल अभ्यारण्य के ईको सेंस्टिव जोन से एक किलोमीटर की परिधि में सघन नगरीय विकास नहीं किया जायें. बैठक में मुख्य वन संरक्षक श्री पीएन मिश्रा, अपर कलेक्टर गौरव बैनल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता संजय कुमार, नगर एवं ग्राम निवेश के संयुक्त संचालक सुभाषीश बेनर्जी, संयुक्त कलेक्टर प्रिया पटेल, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी एस.एन. द्विवेदी, वन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी योहन कटारा, प्रहलाद सिंह वर्मा एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे.

वन्य प्राणियों को विचरण में आसानी हो

संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को यह भी सुझाव दिया गया कि रालामण्डल एवं उसके आसपास स्थित पहाड़ियों की नेटकिंग किस प्रकार से की जाये, जिससे वन्य प्राणियों को स्वतंत्र रूप से विचरण करने में आसानी हों. बैठक में बताया गया कि रालामण्डल अभ्यारण्य के ईको सेंस्टिव जोन से एक किलोमीटर की परिधि में सघन नगरीय विकास न हो. इस संबंध में भूमि उपयोग हेतु जो मापदण्ड है, इसके अनुसार भूखण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर हो, भू-आच्छादित क्षेत्र अधिकतम 15 प्रतिशत हो, भवन की अधिकतम ऊँचाई 12.50 मीटर हो तथा खुला क्षेत्र कुल आवेदित क्षेत्रफल का 10 प्रतिशत हो.

महिला सफाई मित्रों के मेहनत का परिणाम : विजयवर्गीय

इंदौर. नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर में लगातार 8 वीं बार नंबर वन आने का कारण महिला सफाई मित्रों की मेहनत है. पूरे देश में इंदौर ऐसा शहर है, जहां रात में महिलाएं सफाई कार्य करती हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि मध्यप्रदेश भारत का हृदय है. मोदी के सपने को मध्य प्रदेश सरकार कर रहा है. पूरे प्रदेश के आठ शहरों ने सफाई में पुरस्कार प्राप्त किया है यह हमारे लिए गर्व की बात है. इंदौर में महापौर व उनकी पूरी अधिकारियों और सफाई मित्र की टीम ने बधाई योग्य काम किया है। हम इस तरह से लगातार कार्य करते रहेंगे. सभी शहर वासियों निगमकर्मियों को शुभकामनाएं.

महापौर व निगम आयुक्त स्वच्छता टीम के साथ आज आएंगे इंदौर
एयरपोर्ट से लेकर राजवाड़ा तक होगा स्वागत

इंदौर. स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छता मे श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली देश की नगरीय निकायों को राष्ट्रपति द्वारा आज नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छता अवार्ड समारोह में सम्मानित किया गया. नई दिल्ली से स्वच्छता अवार्ड लेकर माननीय महापौर पुष्यमित्र भार्गव आयुक्त शिवम वर्मा एवं स्वच्छता की टीम 18 जुलाई को प्रात: 9.30 बजे इंदौर एयरपोर्ट पर पहुंचेगी. यहां पर शहर के विभिन्न संगठनों के साथ ही शहर के नागरिकों द्वारा एयरपोर्ट पर स्वछता टीम का भव्य स्वागत किया जाएगा. तत्पश्चात समस्त स्वछता टीम राजवाड़ा पर पहुंचेगी, जहां पर शहर के समस्त जनप्रतिनिधियों एवं निगम के अधिकारी, कर्मचारियों के साथ ही शहर के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी की उपस्थिति में स्वच्छता का जश्न मनाया जाएगा.

लघुकथाएं सुन भावुक हुईं लेखिकाएं
रचनाकार त्रिवेणी का आशु अभिव्यक्ति पर कार्यक्रम

इंदौर. सपने तो देखने ही होंगे तभी उन रास्तों पर चल पाएंगे. मनीषा शर्मा ने प्रेस क्लब में रचनाकार त्रिवेणी के आशु अभिव्यक्ति कार्यक्रम में मेरे सपने विषय पर भाव व्यक्त किए. 30 से अधिक विविध विषयों पर लेखिकाओं ने रोचक विचार कहे. इस अवसर पर सदस्यों लघुकथाएं भी पढ़ीं.

निकिता जैन ने सुनाया बारिश की बूँदें भी चातक बनी थीं जब तक उसकी चोंच उन्हें ग्रहण करतीं वे तप्त धरती में समा गईं, साड़ियों से मेरी बातें पर डॉ पल्लवी सेठ ने कहा जब मैं लाल साड़ी से बात करती हूँ तो नीली साड़ी मेरा हाथ पकड़ लेती है, मैं और रील्स पर डॉ अल्पना आर्य ने कहा हरे-भरे पेड़ खिलखिलाते फूलों के बीच मौसम पर गाना गाते हुए भविष्य में रील बनाऊँगी लेकिन पहाड़ों या झरनों पर कभी नहीं. डॉ रजनी भंडारी ने भावुक पल पर कहा उम्र के साथ हम स्त्रियाँ धैर्यवान हो जातीं लेकिन पुरुष ज़्यादा भावुक हो जाते, अंजुल कंसल रागिनी माथुर सुरेखा सरोदे ने अपनी रचनाएं सुनाई. नवनीत जैन के आंसू माँ पर लघुकथा सुनाते लुढ़क पडे, सुरेखा सिसोदिया ने स्वयं की सत्यकथा पर लघुकथा सुनाई. शोभारानी, स्वाति सिंह, सुरेखा सरोदे ने भी प्रकाशित लघुकथाएं सुनाईं. अंजना मिश्रा, मणिमाला ने सरस्वती वंदना की, मंगला सरोशे ने संचालन किया. मुस्कुराती स्त्री, मायका, मेरा भारत, सपनों का इंद्रधनुष, हाय ट्रैफ़िक जाम, मैं लड़का होती जैसे विषयों पर सीता सेन, सुरेखा भारती, सुनीता बंडी, संतोष तोषनीवाल, संध्या राणे, सीमा सरदेशमुखवाला, कृष्णा शर्मा, सुधा चौहान , नीता निदाने, शोभारानी, निरुपमा शर्मा, मनीषा खेड़ेकर, मनीषा शर्मा, पद्मा विजयवर्गीय, चंदा पंड्या, स्वाति सिंह आदि ने भाव व्यक्त किए।

रेलवे पुलिस ने संवेदनशीलता पर कराया प्रभावशाली प्रशिक्षण
कमजोर वर्गों के अधिकारों व व्यवहारिक पुलिसिंग पर मिला व्यावहारिक ज्ञान

नव भारत न्यूज

इंदौर. पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागृह में अनुसूचित जाति-जनजाति जैसे समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता को लेकर रेलवे पुलिस इंदौर ने एक दिवसीय इकाई स्तरीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया. जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे.

पुलिस अधीक्षक रेल संतोष कोरी के निर्देश पर, उप पुलिस अधीक्षक ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक रेल कार्यालय स्थित सभागृह में सम्पन्न हुआ. प्रशिक्षण का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक अजाक शेर सिंह भूरिया ने किया. इसमें जीआरपी इंदौर के सभी थानों और चौकियों से चयनित 35 अधिकारियों और कर्मचारियों आरक्षक से निरीक्षक स्तर तक ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम में अनुभवी विशेषज्ञों ने संवेदनशीलता से जुड़ी बारीकियों, कानूनी प्रक्रियाओं और व्यवहारिक पुलिसिंग की चुनौतियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया. प्रशिक्षण के दौरान पैनल में शामिल विशेषज्ञों ने

अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 एवं उसके संशोधनों, पंचनामा की कानूनी प्रक्रिया, जब्ती के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों, केस डायरी, चालान प्रस्तुत करने की विधि, अपराध अनुसंधान की व्यावहारिक कठिनाइयों और अंतरराज्यीय कार्रवाई की जटिलताओं पर विस्तृत चर्चा की. साथ ही फोरेंसिक साइंस की उपयोगिता, संवाद कौशल, पीड़ितों से संवेदनशीलता के साथ बातचीत करने के तरीके और शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई. प्रशिक्षण में केस स्टडी और वास्तविक उदाहरणों से अधिकारियों को ना सिर्फ कानून की जानकारी दी गई, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से पुलिसिंग के महत्व को भी रेखांकित किया.

विशेषज्ञ वक्ताओं में शामिल रहे...

सहायक लोक अभियोजन अधिकारी सुशीला राठौर, जिला लोक अभियोजन अधिकारी राजेन्द्र भदौरिया, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता तनुज दीक्षित, संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग बृजेश पांडे, फॉरेंसिक ऑफिसर अविनाशचंद्र पुरी, तथा सेज यूनिवर्सिटी इंदौर से रचना जोहरी और अभिषेक सिसोदिया. समापन सत्र में पुलिस अधीक्षक रेल संतोष कोरी ने कहा कि यह प्रशिक्षण न सिर्फ कानूनी ज्ञान का स्रोत रहा, बल्कि इससे यह भी समझ में आया कि पुलिस का काम सिर्फ कार्रवाई नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना भी है. जब पुलिसकर्मी संवेदनशीलता, निष्पक्षता और सहानुभूति के साथ काम करेंगे, तभी कमजोर वर्गों को न्याय व सम्मान का अहसास हो सकेगा. उन्होंने सभी विशेषज्ञों, प्रतिभागियों और आयोजक टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और ऐसे प्रशिक्षण सत्रों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता बताई.

भाषा-आचरण में संयम के साथ मर्यादा का भाव रखें : विश्वरत्न सागर
नरसिंह वाटिका में चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान की धर्मसभा में शामिल हो रहे सैकड़ों समाजबंधु

इंदौर. दुर्लभ मनुष्य जन्म लेकर भी यदि हमारे मन में जीवों के प्रति दया, करुणा और कृपा का भाव नहीं है तो हमारा जीवन व्यर्थ ही कहा जाना चाहिए. भगवान महावीर स्वामी ने मानव जन्म को सर्वश्रेष्ठ और महान बताया है, क्योंकि मानव अपने गुणों और कर्मों से ही महान बनता है. किसी अन्य जीव में इस तरह की पात्रता नहीं होती. हमारी भाषा और हमारे आचरण में संयम के साथ मर्यादा और शालीनता का भाव भी होना चाहिए. बचपन में माता-पिता, युवावस्था में पत्नी और वृद्धावस्था में संतानें हमें बोलने नहीं देती, लेकिन हमें कब, कहां, क्या और कैसे बोलना चाहिए, इसका ज्ञान भी जरूरी है.

अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट पीपली बाजार, जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार इंदौर के तत्वावधान में एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका पर चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान में युवा हृदय सम्राट, जैनाचार्य विश्वरत्न सागर ने

गुरूवार को उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए. उत्तराध्ययन सूत्र की विवेचना के दौरान जैनाचार्यश्री ने कहा कि हमारी भाषा प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से पुण्यपाल सुराना, ललित सी. जैन, कैलाश नाहर एवं मनीष सुराना ने सभी समाजबंधुओं की अगवानी की. लाभार्थी परिवारों का बहुमान विश्वरत्न सागर की पावन निश्रा में पारसमल बोहरा, दिलसुखराज कटारिया, प्रीतेश ओस्तवाल आदि ने किया. धर्मसभा में शेखर गेलड़ा, दिलीप मंडोवरा एवं भरत कोठारी सहित विभिन्न समाजबंधु अनेक व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान कर रहे हैं.

सत्संग का आश्रय लेना चाहिए

धर्मसभा को मुनि प्रवर उत्तमरत्न सागर ने भी संबोधित किया. उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के 27 भावों की उत्कृष्ट बातें और जिनवाणी के माध्यम से जीवन की दुर्जनता को हटाने के लिए सज्जन व्यक्ति को सत्संग का आश्रय लेना चाहिए. धर्मसभा को गणिवर्य कीर्तिरत्न सागर ने भी संबोधित किया. चातुर्मास प्रभारी प्रीतेश ओस्तवाल एवं दिलसुखराज कटारिया ने बताया कि नरसिंह वाटिका पर चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान में प्रतिदिन दो हजार से अधिक श्रद्धालु धर्मसभा का पुण्य लाभ ले रहे हैं, वहीं प्रतिदिन 150 साधक सामायिक और सिद्धि तप में 145 से ज्यादा तपस्वी शामिल हो रहे हैं. दीपक जैन टीनू ने बताया कि शनिवार को इसमें सुप-30 के संस्थापक और देश के महान गणितज्ञ आनंद कुमार सुबह 9 बजे से किशोर एवं युवाओं को अपने कैरियर एवं व्यवसाय के संदर्भ में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे.

नागरिकों ने ली नशा छोड़ने शपथ
झुग्गी बस्तियों में चला नशामुक्ति अभियान

इंदौर. मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत तिलक नगर पुलिस ने झुग्गी बस्तियों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया. इस दौरान पुलिस ने नशे के दुष्परिणामों को लेकर आम नागरिकों को जागरूक किया और उन्हें नशा छोड़ने की शपथ भी दिलाई.

कार्यक्रम के तहत तिलक नगर थाना क्षेत्र के आईडीए मल्टी, रमाबाई नगर और पिपलियाहाना कांकड़ जैसे संवेदनशील इलाकों में नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया. इस दौरान करीब 80 महिला, पुरुष और बच्चे कार्यक्रम में शामिल हुए. थाना प्रभारी मनीष लोधा, सहायक उपनिरीक्षक धर्मेंद्र बघेल, प्रधान आरक्षक मुजफर, प्रधान आरक्षक अंबिका और प्रधान आरक्षक रुद्रावती की उपस्थिति में नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई.

थाना प्रभारी लोधा ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा मैं न केवल स्वयं बल्कि अपने परिवार, मित्रों और समुदाय को भी नशे से दूर रखूंगा, जिससे हमारा इंदौर जिला और प्रदेश नशा मुक्त बन सके. आखिर में मौजूद बच्चों को बिस्किट का बांटे. पुलिस की इस पहल को क्षेत्रवासियों ने सराहा और नशे के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का संकल्प लिया. थाना प्रभारी मनीष लोधा का कहना है कि आने वाले दिनों में यह अभियान अन्य बस्तियों और स्कूलों तक भी पहुंचाया जाएगा.

अनुभवों से सच्चा संगीत बनाता हूँ, तो दिलों तक पहुँचता है : गजेन्द्र

इंदौर. पिछले 15 सालों में गजेन्द्र वर्मा ने अपनी मधुर आवाज़ से देशभर के संगीत प्रेमियों के दिलों में खास जगह बना ली है. उन्हें भारत के नए दौर के पहले पॉप स्टार्स में से एक माना जाता है. लेकिन गजेन्द्र विनम्रता से कहते हैं, अगर मुझे यह पहचान मिली है, तो उसका श्रेय 90 के दशक के उन कलाकारों को जाता है जिन्होंने रास्ता दिखाया.

उनके कई गानों में मन मेरा सबसे खास माना जाता है. यह गाना करीब 13 साल पहले रिलीज़ हुआ था, लेकिन आज भी लोगों के दिलों को छूता है. गजेन्द्र कहते हैं, सभी का बहुत धन्यवाद जो आज भी यह गाना सुनते हैं. यह मुझे और अच्छा संगीत बनाने की प्रेरणा देता है. वे यह भी बताते हैं कि इस गाने के शानदार बोल असीम अहमद ने लिखे थे, और उन्हें इसका बहुत सारा श्रेय जाता है. मन मेरा पहले एक स्वतंत्र गाना था, लेकिन जब फिल्म निर्देशक आदित्य दत्त ने इसे सुना, तो वे इससे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपनी फिल्म टेबल नंबर 21 के लिए इसका रोमांटिक वर्जन बनवाया. फिल्म में रिलीज़ होने के बाद यह गाना वायरल हो गया, और फिर सबको इसकी कहानी पता है. गजेन्द्र ने हँसते हुए कहा. गजेन्द्र कहते हैं आज के समय में कलाकार बने रहना थोड़ा मुश्किल हो गया है. मैंने बस यह सीखा है कि काम को ईमानदारी और बिना तनाव के करना चाहिए. गजेन्द्र कहते हैं मैंने भी वैसी ही ज़िंदगी जी है जैसी देश के ज़्यादातर लोग जीते हैं. जब मैं अपने अनुभवों से सच्चा संगीत बनाता हूँ, तो वो लोगों के दिलों तक पहुँचता है. गजेन्द्र वर्मा की यह यात्रा इस बात का सबूत है कि अगर संगीत दिल से बनाया जाए, तो वह ज़रूर लोगों के दिलों तक पहुँचता है.

पौधारोपण | **मंत्री सिलावट के नेतृत्व में इंदौर में लगेगें लाखों पौधे**

प्रदेश में पहली बार साकार होगी ऑक्सीजन गार्डन की संकल्पना

इंदौर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत देशभर में 141 करोड़ पौधे लग चुके है. मोदी के आव्हान पर यह अभियान लगातार जारी है. इस दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के नेतृत्व में इस अभियान का संकल्प धरातल पर तेजी से आकार ले रहा है. अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा और मार्गदर्शन तथा जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट की सक्रिय पहल पर प्रदेश में पहली बार ऑक्सीजन गार्डन की संकल्पना साकार होने जा रही है.

इंदौर के कनाडिया क्षेत्र स्थित गुलमर्ग परिसर के पीछे 11 एकड़ पहाड़ी क्षेत्र पर इस विशाल हरित परियोजना की शुरुआत की जाएगी. इस संबंध में मंत्री श्री सिलावट द्वारा अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थल का निरीक्षण

भी किया गया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने उक्त क्षेत्र को एक प्रमुख पर्यावरणीय केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए. इस मौके पर नगर नगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, इंदौर जनपद अध्यक्ष विश्वजीत सिंह सिसोदिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और अधिकारीगण मौजूद थे. इस पहाड़ी क्षेत्र पर लाखों की संख्या में नीम, पीपल, बरगद, अशोक, आम, महुआ, रेन ट्री, जामुन, उंबर सहित अन्य औषधीय एवं छायादार प्रजातियों के पौधे रोपे जाएंगे. यह ऑक्सीजन गार्डन न केवल नागरिकों को शुद्ध वायु उपलब्ध कराएगा, बल्कि यह क्षेत्र पक्षियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा. विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों के आगमन से यह स्थल एक प्राकृतिक पक्षी विहार और पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित होगा.

सिंचाई के लिए पाइप लाइन बिछाने के निर्देश

पौधों की सिंचाई हेतु गुलमर्ग परिसर के ट्रीटमेंट प्लांट से पाइपलाइन बिछाकर जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी मंत्री श्री सिलावट द्वारा दिए गए हैं. इस अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देते हुए इसमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी. इसमें पद्मश्री एवं पद्मभूषण सम्मानित नागरिक, व्यापारी संगठन, समाजसेवी, धर्मगुरु, किसान संगठन, जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजनों की सक्रिय भागीदारी रहेगी.